

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 3963

Unique Paper Code : 2316000002

Name of the Paper : Reading the Archive

Name of the Course : Skill Enhancement Course (SEC)

Semester : I

Duration : 1 Hour

Maximum Marks : 30

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any two questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Analyse how archives both preserve and exclude certain voices in the process of historical documentation ?

विश्लेषण कीजिए कि कैसे अभिलेख ऐतिहासिक दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया में कुछ आवाजों को संरक्षित और उपेक्षित करते हैं ?

P.T.O.

2. How has the colonial census contributed to understanding Indian society while reinforcing stereotypes ?

औपनिवेशिक जनगणना ने रूढ़िवादिता को मजबूत करते हुए भारतीय समाज को समझने में कैसे योगदान दिया है ?

3. What insights about gender and law can be drawn from examining historical archives related to the Age of Consent debate ?

सहमति की आयु की बहस से संबंधित ऐतिहासिक अभिलेखों की जाँच से लिंग और कानून के बारे में क्या अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती है ?

4. Write short notes on any *two* of the following :

- (a) The camera as an instrument of colonial governance
- (b) Cultural Memory in the Digital Age
- (c) Challenges in Interpreting Visual Sources in Archives
- (d) The lived experiences of Indian peasants in historical narratives.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

- (a) औपनिवेशिक शासन के एक उपकरण के रूप में कैमरा
- (b) डिजिटल युग में सांस्कृतिक स्मृति
- (c) अभिलेखागार में दृश्य स्रोतों की व्याख्या करने में चुनौतियाँ
- (d) ऐतिहासिक आख्यानों में भारतीय किसानों के जीवंत अनुभव।